वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:5 अंक: 345 | शनिवार 23 मई 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राजस्थान को रेल विकास की बड़ी सौगात

जोधपुर-दिल्ली कैंट वंदे भारत अब 20 कोच के साथ संचालित होगी, साबरमती-जोधपुर एक्सप्रेस का जैसलमेर तक विस्तार

केंद्रीय मंत्रियों ने गाड़ी संख्या 04871, जोधपुर-दिल्ली कैंट वंदे भारत सुपरफास्ट एक्सप्रेस उद्घाटन स्पेशल रेलसेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया तथा जोधपुर-दिल्ली कैंट वंदे भारत एक्सप्रेस की डिब्बा संरचना को 8 कोच से बढ़ाकर 20 कोच किए जाने की घोषणा की।

जयपुर. का.सं। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव एवं केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने शुक्रवार को उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल अंतर्गत जोधपुर रेलवे स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में राजस्थान को विभिन्न रेल सेवाओं एवं आधारभूत परियोजनाओं की महत्वपूर्ण सौगातें प्रदान कीं। केंद्रीय मंत्रियों ने गाड़ी संख्या 04871, जोधपुर-दिल्ली कैंट वंदे भारत सुपरफास्ट एक्सप्रेस उद्घाटन स्पेशल रेलसेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया तथा जोधपुर-दिल्ली कैंट वंदे भारत एक्सप्रेस की डिब्बा संरचना को 8 कोच से बढ़ाकर 20 कोच किए जाने की घोषणा की। साथ ही साबरमती-जोधपुर एक्सप्रेस रेलसेवा का विस्तार जैसलमेर तक किए जाने एवं कोच केयर कॉम्प्लेक्स, जैसलमेर के शुभारम्भ का लोकार्पण भी किया गया। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि नियमित गाड़ी संख्या 26481/ 26482, जोधपुर-दिल्ली कैंट-जोधपुर वंदे भारत सुपरफास्ट एक्सप्रेस में 24 मई 2026 से 2 एक्जीक्यूटिव चेयरकार, 16 वातानुकूलित चेयरकार तथा 2 ड्राइवर पावर कार सहित कुल 20 कोच संचालित किए जाएंगे। इससे यात्रियों को अधिक सीट उपलब्ध होंगी तथा यात्रा सुविधाओं में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेलवे विश्वस्तरीय सुविधाओं की दिशा में तीव्र गति से अग्रसर है।

रेल अवसंरचना विस्तार से पश्चिमी राजस्थान को नई गति

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पश्चिमी राजस्थान के प्रवासियों की लंबे समय से अतिरिक्त रेल सेवाओं की मांग रही है, जिसे ध्यान में रखते हुए चेन्नई, पुणे, हैदराबाद एवं मुंबई सहित विभिन्न महानगरों के लिए नई रेल सेवाएं प्रारम्भ की गई हैं। उन्होंने बताया कि जोधपुर में विकसित किया जा रहा कोचिंग टर्मिनल रेलवे विकास में मील का पत्थर सिद्ध होगा तथा भविष्य में देशभर से नई रेल सेवाओं के संचालन में सहायक बनेगा। भगत की कोठी में वंदे भारत स्लीपर टर्मिनल भी विकसित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आगामी 10 माह में जोधपुर से हरिद्वार के लिए नई रेल सेवा प्रारम्भ करने की तैयारी चल रही है। राजस्थान में रेलवे विकास हेतु वर्तमान में लगभग 10,000 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड बजट प्रदान किया जा रहा है, जबकि पूर्व में यह राशि मात्र 700 से 800 करोड़ रुपये थी।

रेलवे केवल परिवहन का माध्यम नहीं

रेलवे केवल परिवहन का माध्यम नहीं, बल्कि देश की जीवनरेखा है तथा पिछले वर्षों में रेलवे क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन हुए हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान एवं विशेषकर मारवाड़ क्षेत्र को केंद्रीय रेल मंत्री द्वारा अनेक महत्वपूर्ण परियोजनाओं की सौगात मिली है, जिससे क्षेत्रीय विकास को नई गति प्राप्त हुई है। उन्होंने ऊर्जा संरक्षण के लिए प्रधानमंत्री के आह्वान का उल्लेख करते हुए आमजन से सहयोग की अपील भी की। केंद्रीय रेल मंत्री ने जानकारी दी कि राजस्थान में धांगरा-बांदीकुई, अजमेर-चित्तौड़गढ़, लूनी-भिलड़ी, रेवाड़ी-खाटूवास तथा सवाई माधोपुर-जयपुर रेलखंडों पर डबलिंग कार्य प्रगति पर है।

परियोजना से ट्रेनों की मेंटेनेंस क्षमता में वृद्धि होगी

कार्यक्रम के दौरान जैसलमेर में 67 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित कोच केयर कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन किया गया। इस परियोजना से ट्रेनों की मेंटेनेंस क्षमता में वृद्धि होगी, अधिक रेल सेवाओं का संचालन संभव हो सकेगा तथा यात्रियों को बेहतर सुविधाएं प्राप्त होंगी। केंद्रीय मंत्रियों ने कहा कि स्वर्ण नगरी जैसलमेर पर्यटन एवं सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। सोनार किला, पटवों की हवेली, बड़ा बाग एवं थार मरुस्थल देश-विदेश के पर्यटकों के प्रमुख आकर्षण केंद्र हैं। नई रेल सुविधाओं से जैसलमेर की कनेक्टिविटी और अधिक मजबूत होगी तथा पर्यटन एवं रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। साथ ही चिकित्सा एवं शिक्षा के लिए जोधपुर एवं अहमदाबाद जाने वाले यात्रियों को भी बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी। उन्होंने बताया कि राजस्थान की संस्कृति, विरासत एवं शौर्य की झलक अब रेलवे स्टेशनों पर भी दिखाई दे रही है।

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि नियमित गाड़ी संख्या 26481/ 26482, जोधपुर-दिल्ली कैंट-जोधपुर वंदे भारत सुपरफास्ट एक्सप्रेस में 24 मई 2026 से 2 एक्जीक्यूटिव चेयरकार, 16 वातानुकूलित चेयरकार तथा 2 ड्राइवर पावर कार सहित कुल 20 कोच संचालित किए जाएंगे।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति का स्नेह मिलन सम्पन्न

जयपुर.शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति की ओर से ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखते हुए ऑल स्टार क्लब, जयपुर में रंगारंग पूल पार्टी एवं स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन मुख्य समन्वयक अनिल-ज्योति चौधरी, समन्वयक प्रदीप-प्राची बाकलीवाल, चेतन-अनामिका पापड़ीवाल, शैलेश-रूपा पाटनी तथा संयोजक मुकेश-प्रीति रारा के संयोजन में सम्पन्न हुआ। ग्रुप अध्यक्ष राजेश-रानी पाटनी ने बताया कि कार्यक्रम में श्रीमती प्राची बाकलीवाल द्वारा रोचक हाउजी खिलाई गई, जिसका सभी सदस्यों ने भरपूर आनंद लिया। निवर्तमान अध्यक्ष मनीष-शोभना लोंग्या ने बताया कि आयोजन के दौरान विभिन्न मनोरंजक गेम्स भी आयोजित किए गए। कार्यक्रम में विजेता प्रतिभागियों को आकर्षक पुरस्कार वितरित किए गए। पूरे आयोजन में सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए आपसी स्नेह और सौहार्द का आनंद उठाया।

इंडोर खेल प्रतियोगिता संपन्न

आयोजन पूर्णत: तकनीकी एवं डिजिटल माध्यम से संपन्न कराया गया। रजिस्ट्रेशन से लेकर परिणाम घोषित करने तक डिजिटलाइजेशन का उपयोग करते हुए पूरी पारदर्शिता और सुव्यवस्थित संचालन सुनिश्चित किया गया।

जयपुर.शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप इंटरनेशनल फेडरेशन नॉर्दर्न रीजन के तत्वावधान में जैन सोशल ग्रुप रॉयल एवं जैन सोशल ग्रुप स्पार्कल के आतिथ्य में द्विदिवसीय इंडोर स्पोर्ट्स टूर्नामेंट 2026 का आयोजन 16 एवं 17 मई को सुबोध पब्लिक स्कूल, रामबाग सर्किल, जयपुर में किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ 16 मई को प्रातः 9 बजे हुआ तथा समापन 17 मई को सायं 4 बजे सम्पन्न हुआ। टूर्नामेंट के मुख्य संयोजक प्रदीप सुराणा एवं मोहित सचेती ने बताया कि प्रतियोगिता में बैडमिंटन, शतरंज, टेबल टेनिस, स्क्वैश एवं कैरम की स्पर्धाएं आयोजित की गईं। इस वर्ष प्रतियोगिता की सबसे बड़ी विशेषता 283 प्रतिभागियों की रिकॉर्ड भागीदारी रही, जो नॉर्दर्न रीजन में अब तक का सर्वाधिक सहभागिता रिकॉर्ड माना जा रहा है। उन्होंने बताया कि आयोजन पूर्णतः तकनीकी एवं डिजिटल माध्यम से संपन्न कराया गया। रजिस्ट्रेशन से लेकर परिणाम घोषित करने तक डिजिटलाइजेशन का उपयोग करते हुए पूरी पारदर्शिता और सुव्यवस्थित संचालन सुनिश्चित किया गया। नॉर्दर्न रीजन की ओर से आयोजन की सफलता के लिए जैन सोशल ग्रुप रॉयल के संस्थापक अध्यक्ष राजेंद्र मेडतवाल, अध्यक्ष प्रवीण गोलेछा, सचिव विशाल सेठ एवं टीम रॉयल तथा जैन सोशल ग्रुप स्पार्कल के संस्थापक अध्यक्ष मोहित सचेती, अध्यक्ष मनीष गोधा, सचिव राहुल रांका एवं टीम स्पार्कल का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम के सफल संचालन में मुख्य सूत्रधार प्रदीप सुराणा, मोहित सचेती, चंद्रप्रकाश जैन ''चंदू भैया'' तथा संयोजक अक्षित शाह, संदीप गोलेछा, अनुराग चौरड़िया, पवन बोथरा एवं पवन कुमार सेठी की विशेष भूमिका रही। आयोजन में फेडरेशन के पूर्व अध्यक्ष एवं नॉर्दर्न रीजन के संस्थापक इंजीनियर राकेश जैन, इंटरनेशनल डायरेक्टर महेंद्र गिरधरवाल, संजय जैन, राजेंद्र डाबरिया, अजय जैन, अभय कोटेचा, चेयरमैन इलेक्ट सुभाष बज, वाइस चेयरमैन डॉ. राजीव जैन, सचिव रविंद्र बिलाला, कोषाध्यक्ष तरुण जैन, पीआरओ वीरेंद्र गदिया सहित अनेक पदाधिकारियों की उपस्थिति रही। प्रतियोगिता में विजेताओं, उपविजेताओं एवं सभी प्रतिभागियों को सम्मानित कर उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गईं। अंत में नॉर्दर्न रीजन चेयरमैन राजीव पाटनी एवं सचिव रविंद्र बिलाला ने सभी सहयोगियों, प्रतिभागियों एवं उनके परिवारजनों का आभार व्यक्त किया।

नॉर्दर्न रीजन की ओर से आयोजन की सफलता के लिए जैन सोशल ग्रुप रॉयल के संस्थापक अध्यक्ष राजेंद्र मेडतवाल, अध्यक्ष प्रवीण गोलेछा, सचिव विशाल सेठ एवं टीम रॉयल तथा जैन सोशल ग्रुप स्पार्कल के संस्थापक अध्यक्ष मोहित सचेती, अध्यक्ष मनीष गोधा, सचिव राहुल रांका एवं टीम स्पार्कल का आभार व्यक्त किया गया।

राजनीति

वकीलों पर लाठी नहीं, लोकतंत्र पर प्रहार

कांतिलाल मांडोत

लखनऊ जिला अदालत परिसर के बाहर जो कुछ हुआ, वह केवल अतिक्रमण हटाने की प्रशासनिक कार्रवाई भर नहीं थी, बल्कि कानून व्यवस्था और लोकतांत्रिक मयार्दाओं की गंभीर परीक्षा भी थी। अदालतों में न्याय की लड़ाई लड़ने वाले अधिवक्ताओं पर जिस तरह लाठीचार्ज हुआ, उसने पूरे न्यायिक तंत्र को झकझोर दिया। पुलिस और प्रशासन की यह कार्रवाई केवल चैंबर तोड़ने तक सीमित नहीं रही, बल्कि उसने उस संवैधानिक गरिमा को भी आहत किया, जिस पर भारतीय लोकतंत्र आधारित है। घटना की शुरूआत हाईकोर्ट के आदेश के पालन के नाम पर हुई। नगर निगम की टीम भारी पुलिस बल और बुलडोजर के साथ अदालत परिसर के बाहर पहुंची और कथित अवैध निर्माण हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी। जिन चैंबरों में वर्षों से वकील अपने पेशे का संचालन कर रहे थे, उन्हें अचानक ढहाया जाने लगा। कई अधिवक्ताओं का आरोप है कि उन्हें पर्याप्त समय और स्पष्ट सूचना तक नहीं दी गई। जिन लोगों ने जीवन के कई दशक अदालत परिसर में बिताए, उनके सामने अचानक रोजी-रोटी और सम्मान दोनों का संकट खड़ा हो गया। विरोध होना स्वाभाविक था। वकील बुलडोजर के सामने खड़े हो गए। कुछ सड़क पर बैठ गए, तो कुछ हाथ जोड़कर अपने चैंबर बचाने की गुहार लगाते रहे। लेकिन प्रशासन ने संवाद और समाधान का रास्ता अपनाने के बजाय शक्ति प्रदर्शन का मार्ग चुना। देखते ही देखते बहस धक्का-मुक्की में बदली और फिर पुलिस ने लाठीचार्ज शुरू कर दिया। जिस समाज में वकील संविधान और कानून के रक्षक माने जाते हैं, उसी समाज में उन्हें सड़कों पर दौड़ा-दौड़ाकर पीटना बेहद चिंताजनक दृश्य था। सबसे दुखद पहलू यह रहा कि पूरी कार्रवाई में संवेदनशीलता लगभग नदारद दिखाई दी। एक अधिवक्ता ने आत्महत्या की धमकी दी, जबकि दूसरे रोते हुए कह रहे थे कि उनका चैंबर अवैध नहीं है और यदि उसे तोड़ा गया तो वे जीवित नहीं रहेंगे। इन आवाजों में केवल विरोध नहीं था, बल्कि वर्षों की मेहनत, संघर्ष और असुरक्षा का दर्द भी था। प्रशासन यदि चाहता तो बातचीत के जरिए स्थिति संभाल सकता था।

संपादकीय

सीजेपी : व्यंग्य की ताकत या राजनीतिक मजाक?

भारतीय राजनीति में व्यंग्य हमेशा से एक प्रभावशाली हथियार रहा है। हरिशंकर परसाई के तीखे निबंधों से लेकर राजनीतिक कार्टून तक, व्यंग्य ने सत्ता और व्यवस्था की खामियों को उजागर करने का काम किया है। लेकिन जब व्यंग्य खुद एक राजनीतिक ''पार्टी'' का रूप लेने लगे, तब सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या यह लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति का नया माध्यम है या केवल सोशल मीडिया का क्षणिक मनोरंजन। हाल ही में सामने आई

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) इसी बहस के केंद्र में है। महज कुछ दिनों में सीजेपी ने सोशल मीडिया पर असाधारण लोकप्रियता हासिल कर ली। लाखों युवाओं ने इसे अपनी आवाज के रूप में अपनाया। इसकी शुरूआत उस विवादित टिप्पणी के बाद हुई, जिसमें बेरोजगार युवाओं की तुलना कथित रूप से कॉकरोच से किए जाने का दावा सामने आया। बाद में सफाई दी गई, लेकिन तब तक युवाओं का आक्रोश फैल चुका था। इसी माहौल में बोस्टन यूनिवर्सिटी के छात्र अभिजीत दीपक ने व्यंग्यात्मक अंदाज में कहा, अगर हम कॉकरोच हैं, तो कॉकरोच जनता पार्टी बना लेते हैं। इसके बाद वेबसाइट, इंस्टाग्राम और एक्स अकाउंट शुरू हुए और देखते ही देखते यह अभियान वायरल हो गया। व्यंग्यात्मक राजनीति में प्रतीकों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है। कॉकरोच शब्द सामान्यतः अपमानजनक माना जाता है, लेकिन सीजेपी ने उसी शब्द को प्रतिरोध के प्रतीक में बदल दिया। कॉकरोच यहां उस युवा वर्ग का प्रतिनिधित्व करता है, जो बेरोजगारी, पेपर लीक, महंगाई और व्यवस्था की उदासीनता से परेशान है। जब युवाओं को आलसी या क्रॉनिकली ऑनलाइन कहा गया, तब उन्होंने उसी तंज को अपनी पहचान बना लिया। मैं भी कॉकरोच जैसे हैशटैग इस सामूहिक असंतोष और एकजुटता का संकेत बन गए। यही व्यंग्य की असली ताकत है कि वह चोट भी करता है और लोगों को सोचने पर भी मजबूर करता है। हालांकि, आलोचनाएं भी कम नहीं हैं। कई लोग इसे केवल डिजिटल मजाक और मीम संस्कृति का हिस्सा मान रहे हैं। संस्थापक के राजनीतिक जुड़ाव और विदेश में रहने को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। सोशल मीडिया अकाउंट ब्लॉक होने और विदेशी फॉलोअर्स के आरोपों ने इसे राजनीतिक रंग भी दे दिया है। आलोचकों का कहना है कि केवल वायरल होना किसी आंदोलन की सफलता का प्रमाण नहीं होता। वास्तविक राजनीति में संगठन, जनसंपर्क और जमीनी संघर्ष की आवश्यकता होती है। कुछ लोगों का मानना है कि यह युवाओं की ऊर्जा को समाधान की दिशा में ले जाने के बजाय केवल ऑनलाइन नाराजगी तक सीमित कर सकता है। फिर भी यह मानना होगा कि भारतीय लोकतंत्र में व्यंग्य की अपनी एक महत्वपूर्ण जगह रही है। दुनिया के कई देशों में व्यंग्यात्मक राजनीतिक दलों और अभियानों ने व्यवस्था पर प्रभाव डाला है। सीजेपी भी युवाओं को राजनीति से जोड़ने का प्रयास करती दिख रही है।

–राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

अमेरिकी घेराबंदी में क्यूबा, लेकिन शी जिनपिंग और पुतिन भी चुप

नित्य चक्रवर्ती

क्यूबा एक बार फिर गंभीर आर्थिक और राजनीतिक संकट के दौर से गुजर रहा है। राष्ट्रपति मिगेल डियाज-कैनेल हालात को संभालने की पूरी कोशिश कर रहे हैं, लेकिन अमेरिका की लगातार आर्थिक नाकेबंदी और प्रतिबंधों ने देश की स्थिति को बेहद कठिन बना दिया है। ईंधन संकट, लंबी बिजली कटौती, खाद्य वस्तुओं की कमी और स्वास्थ्य सेवाओं पर बढ़ता दबाव आम नागरिकों की जिंदगी को प्रभावित कर रहा है। ऐसे समय में सवाल उठ रहा है कि क्या चीन और रूस जैसे शक्तिशाली सहयोगी देश क्यूबा के समर्थन में पर्याप्त भूमिका निभा रहे हैं। हाल के दिनों में वैश्विक राजनीति में शिखर बैठकों का दौर तेज रहा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच बीजिंग में हुई वार्ता को दोनों देशों ने सकारात्मक बताया। वहीं रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी चीन दौरे के दौरान द्विपक्षीय संबंध मजबूत करने पर जोर दिया। दुनिया की तीन बड़ी शक्तियों के बीच संवाद निश्चित रूप से वैश्विक स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण है, लेकिन इसी दौरान अमेरिका लैटिन अमेरिका में अपनी रणनीति को और आक्रामक तरीके से आगे बढ़ा रहा है। वेनेजुएला के बाद अब उसका ध्यान क्यूबा पर केंद्रित दिखाई दे रहा है। रिपोर्टों के अनुसार, जिस समय ट्रंप और शी जिनपिंग अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा कर रहे थे, उसी दौरान सीआईए निदेशक जॉन रैटक्लिफ ने हवाना में क्यूबा के सैन्य अधिकारियों से मुलाकात की। कहा जा रहा है कि इस बातचीत में सैन्य नेतृत्व में बदलाव, रूसी और चीनी प्रभाव को सीमित करने तथा अमेरिकी हितों के अनुरूप आर्थिक सुधार लागू करने जैसे मुद्दे शामिल थे। हालांकि इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन इससे यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि अमेरिका क्यूबा में राजनीतिक बदलाव की संभावनाएं तलाश रहा है। क्यूबा की मौजूदा आर्थिक स्थिति पहले ही बेहद कमजोर है। अमेरिकी प्रतिबंधों ने निवेश, व्यापार और तेल आपूर्ति पर गहरा असर डाला है। ब्लैकआउट की घटनाएं बढ़ रही हैं, स्कूल और विश्वविद्यालय प्रभावित हो रहे हैं और अस्पताल संसाधनों की कमी से जूझ रहे हैं। राष्ट्रपति डियाज-कैनेल ने नागरिकों से धैर्य बनाए रखने और सहयोग की अपील की है, लेकिन संकट लगातार गहराता जा रहा है। ऐसे में चीन और रूस की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। क्यूबा लंबे समय से दोनों देशों का सहयोगी रहा है। चीन खुद को कम्युनिस्ट पार्टी के नेतृत्व वाला राष्ट्र बताता है और क्यूबा भी समाजवादी व्यवस्था का समर्थक है। इसलिए अपेक्षा थी कि शी जिनपिंग अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के साथ वार्ता में क्यूबा पर लगी नाकेबंदी का मुद्दा मजबूती से उठाते। रूस से भी इसी तरह की उम्मीद की जा रही थी। लेकिन अब तक न तो चीन और न ही रूस ने सार्वजनिक रूप से अमेरिका पर ऐसा कोई बड़ा दबाव बनाया है, जिससे क्यूबा को तत्काल राहत मिल सके। अंतरराष्ट्रीय मीडिया भी इस संकट को गंभीर मान रहा है। ब्रिटिश अखबार 'द गार्जियन' ने लिखा कि अमेरिकी तेल नाकेबंदी ने क्यूबा को मानवीय संकट की स्थिति में पहुंचा दिया है। वहीं अमेरिकी मीडिया में ऐसी खबरें भी आई हैं कि ट्रंप प्रशासन क्यूबा के पूर्व राष्ट्रपति राउल कास्त्रो के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की तैयारी कर रहा है। इससे यह संकेत मिलता है कि अमेरिका अब सीधे सैन्य हस्तक्षेप के बजाय राजनीतिक और आर्थिक दबाव की रणनीति अपना रहा है।

महावीर इंटरनेशनल अपेक्स द्वारा एआई, साइबर खतरे और डिजिटल सुरक्षा पर माइक्रोसॉफ्ट टीम्स मीटिंग आयोजित

जयपुर.शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल अपेक्स द्वारा अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष वीर अनिल जैन के निर्देशन में ''एआई, साइबर खतरे और डिजिटल सुरक्षा-हर किसी को क्या जानना चाहिए'' विषय पर अंतरराष्ट्रीय स्तर की माइक्रोसॉफ्ट टीम्स मीटिंग आयोजित की गई। कार्यक्रम में गुरुग्राम स्थित क्लिकवेदा के संस्थापक कपिल भार्गव मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। उन्होंने वर्तमान समय में तेजी से बढ़ते साइबर खतरों, ऑनलाइन फ्रॉड एवं डिजिटल सुरक्षा से जुड़े विषयों पर पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग साइबर सुरक्षा को मजबूत बनाने और डिजिटल जीवन को सुरक्षित रखने में किस प्रकार किया जा सकता है। मीटिंग में विभिन्न देशों से जुड़े महावीर इंटरनेशनल के सदस्यों, उनके परिजनों एवं मित्रों ने सहभागिता की। प्रतिभागियों ने साइबर सुरक्षा से संबंधित जिज्ञासाएं रखीं, जिनका विशेषज्ञ कपिल भार्गव ने त्वरित एवं सटीक समाधान प्रस्तुत किया। महावीर इंटरनेशनल अपेक्स के शिक्षा, कौशल एवं व्यक्तित्व विकास निदेशालय के अंतरराष्ट्रीय निदेशक वीर सुनील गांग ने कहा कि जिस प्रकार मनुष्य एक-दूसरे की कमियों को बताकर व्यक्तित्व विकास में सहयोग करते हैं, उसी प्रकार आज एआई भी स्वयं की कमियों को पहचानकर नई तकनीकों के माध्यम से तेजी से सुधार कर रहा है। उन्होंने कहा कि एआई का उपयोग सतर्कता के साथ किया जाना चाहिए तथा इसे सहायक के रूप में सीमित रखना आवश्यक है।

मुनि 108 प्रणुत सागर जी महाराज के आशीर्वाद से प्याऊ सेवा का शुभारंभ

सोनल जैन की रिपोर्ट

भिंड.शाबाश इंडिया। मुनि 108 प्रणुत सागर जी महाराज के आशीर्वाद एवं प्रेरणा से उनके परम भक्त मोनू जैन द्वारा टीम रोटी बैंक के सहयोग से साधु-संतों एवं राहगीरों को भीषण गर्मी से राहत प्रदान करने हेतु प्याऊ सेवा का शुभारंभ किया गया। सेवा कार्य की शुरूआत राहगीरों एवं श्रद्धालुओं को ठंडा एवं स्वादिष्ट ''मिल्क रोज'' वितरित कर की गई। गर्मी के मौसम में इस सेवा से लोगों को काफी राहत मिली और सभी ने इस पहल की सराहना की। इस पुण्य अवसर पर महावीर प्रसाद, मैना देवी, विनय जैन, लक्ष्मी जैन, अवधेश जैन, पूजा जैन, संजय जैन, सुषमा जैन, मोनू जैन, स्वाति जैन, विपिन जैन, इति जैन, इरिया, आस्था, जितेंद्र जैन, छोटे जैन, बबलू सिंधी, दीपक चावला, आशीष शर्मा, हिमांशु शर्मा, ज्योति शर्मा, राशु जादौन, सोनल जैन, शामली जैन, चंचल बुधौलिया, अखिलेश बुधौलिया, रोमा शर्मा, पूजा शर्मा एवं अशोक अग्रवाल सहित टीम रोटी बैंक एवं मानवता परिवार के अनेक सदस्य उपस्थित रहे और सेवा कार्य में सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सदस्यों ने कहा कि मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और इस प्रकार के सेवा कार्य समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं।

चन्द्रप्रभु महिला मण्डल झोटवाड़ा का स्नेह मिलन समारोह हर्षोल्लास से सम्पन्न

जयपुर.शाबाश इंडिया

श्री चन्द्रप्रभु दिगम्बर जैन महिला मण्डल, झोटवाड़ा के तत्वावधान में स्नेह मिलन समारोह का भव्य आयोजन हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं मंगलाचरण के साथ किया गया। मण्डल अध्यक्ष पूनम चांदवाड ने बताया कि समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती कमला देवी जैन, राजुल जैन एवं दीप्ति बोहरा उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में महिला मण्डल की सदस्याओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर समाज की महिलाओं के बीच आपसी सौहार्द, संगठन एवं धार्मिक एकता को मजबूत करने पर बल दिया गया। समारोह के दौरान महिला सदस्याओं द्वारा भक्तिमय भजनों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं। साथ ही धार्मिक प्रश्नमंच, हाउजी एवं विभिन्न मनोरंजक खेलों का आयोजन भी किया गया। सांस्कृतिक एवं धार्मिक प्रस्तुतियों के माध्यम से महिलाओं ने नृत्य और भजनों द्वारा जैन सिद्धांतों का संदेश दिया। मीनाक्षी जैन, राजुल जैन, वंदना जैन एवं जूली जैन ने मनोरंजक प्रतियोगिताओं का सफल संचालन किया। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। ऋतु बड़जात्या एवं सोनिया बड़जात्या ने सभी आगंतुक महिलाओं का तिलक लगाकर स्वागत किया। मंत्री सरिता जैन ने मण्डल द्वारा किए जा रहे सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों की जानकारी दी। अतिथियों ने अपने उद्बोधन में कहा कि महिला मण्डल समाज की रीढ़ है और आपसी स्नेह व एकता से ही धर्म की प्रभावना बढ़ती है। कार्यक्रम के अंत में सामूहिक स्वादिष्ट भोजन का आयोजन किया गया। अंत में अध्यक्ष पूनम चांदवाड ने सभी उपस्थित महिलाओं का आभार व्यक्त किया।

धार्मिक शिक्षण शिविर में बच्चों और बड़ों का उत्साह देखने योग्य

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर द्वारा आयोजित एवं श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति राजस्थान अंचल तथा संयुक्त महिला संभाग के सहयोग से संचालित धार्मिक शिक्षण शिविर का आयोजन श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, थड़ी मार्केट में उत्साहपूर्वक किया जा रहा है। शिविर में बच्चे एवं बड़े सभी श्रद्धाभाव के साथ सहभागिता कर धर्म लाभ प्राप्त कर रहे हैं। पार्श्वनाथ महिला संभाग अध्यक्षा श्रीमती नीता जैन ने बताया कि शिविर का निरीक्षण करने हेतु श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर की राष्ट्रीय अध्यक्षा आदरणीया श्रीमती शीला डोडिया, श्रीमती शालिनी बाकलीवाल, श्रीमती विद्युत लुहाड़िया, श्रीमती अंजना जैन सहित अन्य अतिथिगण उपस्थित हुए। शिविर में बच्चों का उत्साह एवं धर्म के प्रति लगाव देखकर सभी अतिथि अत्यंत प्रसन्न हुए। मंत्री श्रीमती भंवरी देवी जैन ने बताया कि आदरणीय शीला डोडिया ने नवयुवक मंडल को धार्मिक शिक्षण शिविर में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। इस पर नवयुवक मंडल के मंत्री मनीष जैन ने आश्वासन दिया कि मंडल के सदस्य नियमित रूप से शिविर में उपस्थित होकर धर्म लाभ प्राप्त करेंगे। इस अवसर पर मंदिर समिति अध्यक्ष सुमत प्रकाश जैन, अनिल बाकलीवाल, महीप जैन एवं पंकज लुहाड़िया ने सभी अतिथियों का अभिनंदन किया। कार्यक्रम के दौरान धार्मिक वातावरण और बच्चों की सहभागिता ने सभी का मन मोह लिया।

यादों में श्रद्धेय कल्याण कोठारी

ऑनलाइन श्रद्धांजलि सभा में देशभर के मीडिया विशेषज्ञों ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

जयपुर.शाबाश इंडिया। मीडिया जर्नल कम्युनिकेशन ट्रुडे के तत्वावधान में आयोजित ऑनलाइन श्रद्धांजलि सभा ''यादों में श्रद्धेय कल्याण कोठारी'' में देशभर के वरिष्ठ पत्रकारों, मीडिया शिक्षकों, जनसंपर्क विशेषज्ञों, साहित्यकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं तथा उनके मित्रों एवं शुभचिंतकों ने श्रद्धेय कल्याण कोठारी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। सभा में वक्ताओं ने कल्याण कोठारी के चार दशकों से अधिक लंबे पत्रकारिता जीवन, विकास संचार, जनसंपर्क तथा सामाजिक संवाद के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान को स्मरण किया। वक्ताओं ने उन्हें सिद्धांतनिष्ठ, संवेदनशील, अनुशासित और समाज के प्रति गहरी प्रतिबद्धता रखने वाला व्यक्तित्व बताया। कार्यक्रम का प्रारंभ राजस्थान विश्वविद्यालय के जनसंचार केंद्र के पूर्व अध्यक्ष प्रो. संजीव भानावत के स्वागत उद्बोधन से हुआ। उन्होंने कहा कि कल्याण कोठारी केवल वरिष्ठ पत्रकार और

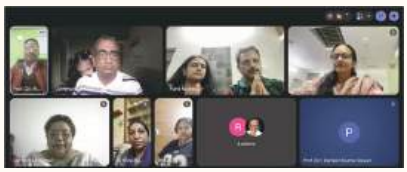

जनसंपर्क विशेषज्ञ ही नहीं थे, बल्कि मानवीय संवेदनाओं, सामाजिक सरोकारों और वैचारिक प्रतिबद्धता के सजग प्रतिनिधि भी थे। उन्होंने कहा कि कोठारी का व्यक्तित्व आत्मीय, संवादधर्मी और ऊर्जावान था तथा वे समाज और मीडिया के बीच सार्थक संवाद के समर्थक थे। वरिष्ठ पत्रकार-साहित्यकार राजीव टिक्कू, राजेंद्र बोड़ा, डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल, अशोक चतुर्वेदी तथा सिक्किम प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के कुलसचिव प्रो. रमेश कुमार रावत ने सामाजिक सरोकारों और जनचेतना के क्षेत्र में उनके योगदान को याद किया। पश्चिम बंगाल से यूनीसेफ से जुड़ी सुचोरिता बर्धन ने उनकी संगठन क्षमता और प्रत्येक आयोजन में उनकी कल्पनाशील भूमिका को रेखांकित किया। मीडिया शिक्षा से जुड़े प्रो. मृणाल चटर्जी, प्रो. हरीश कुमार, प्रो. निशा पवार, प्रो. तनु डंग, डॉ. ऋचा यादव, प्रो. उषा साहनी एवं डॉ. पृथ्वी सेंगर ने अपने संस्मरण साझा करते हुए कहा कि कल्याण कोठारी अकादमिक गुणवत्ता, सामाजिक मूल्यों और युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के प्रति सदैव सजग रहते थे। वरिष्ठ छायाकार महेश स्वामी ने उन्हें आत्मीय मित्र बताते हुए अनेक स्मरणीय प्रसंग साझा किए। पीआरएसआई दिल्ली के गुरु मुख सिंह बावा ने जनसंपर्क एवं सामाजिक संवाद के क्षेत्र में उनके योगदान को याद किया। बाबा आम्टे दिव्यांग विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. देव स्वरूप, एपीजे इंस्टीट्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन के प्रो. अशोक ओगरा तथा नरेंद्र मेहता ने अपने संदेशों में कहा कि कल्याण कोठारी ने पत्रकारिता और जनसंपर्क को सामाजिक जागरूकता तथा मानवीय मूल्यों का माध्यम माना। कार्यक्रम के अंत में उनके पुत्र पुनीत कोठारी ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। श्रद्धांजलि सभा में हंसा कोठारी, प्रो. अंकुरण दत्ता, प्रो. राकेश गोस्वामी, प्रो. पीयूष दत्ता, डॉ. अदिति पारीक एवं सुरेंद्र कुमार अघाना सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

सुनने की साधना ही व्यक्तित्व निर्माण का आधार

भक्ति आत्मा को परमात्मा से जोड़ने का माध्यम: युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी

फतहनगर. शाबाश इंडिया। जीवन में ''सुनना'' और ''बोलना'' केवल सामान्य क्रियाएं नहीं, बल्कि व्यक्तित्व, संस्कार और आत्मिक विकास की आधारशिला हैं। सही मायने में सुनना सीखने वाला व्यक्ति ही जीवन को उचित दिशा दे सकता है। यह विचार श्रमणसंघीय युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी ने शुक्रवार को अम्बेश मेमोरियल संस्थान पावनधाम में आयोजित धर्मसभा में व्यक्त किए।

युवाचार्यश्री ने कहा कि अधिकांश लोग सुनने से अधिक बोलना चाहते हैं, किन्तु जो धैर्य और विनम्रता से सुन सकता है, वही वास्तविक उपलब्धि प्राप्त करता है। श्रेष्ठ विचारों और धर्म संदेशों को गंभीरता से सुनना मन और चेतना की सजग साधना है, जो जीवन परिवर्तन का कारण बनती है। जिसका सुनना श्रेष्ठ होता है, उसका सुधरना भी निश्चित है। धर्मसभा में महासती सुचेताजी की सुशिष्या प्रज्ञाश्रीजी ने भजनों के माध्यम से भक्ति भाव व्यक्त किए। पावनधाम के महामंत्री दिनेश सिंघवी ने बताया कि सभा में उपप्रवर्तक कोमल मुनिजी, हितेंद्र ऋषिजी तथा कई महासतियों का सानिध्य प्राप्त हुआ। इस अवसर पर उदयपुर श्रमण विहार के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को प्रकाश चंद्र सिंघवी, गजेन्द्र चंडालिया सहित अन्य पदाधिकारियों द्वारा सम्मानित किया गया। धर्मसभा में नाथद्वारा, उदयपुर, चित्तौड़गढ़, बेंगलुरु और मुंबई सहित विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित रहे।

शांतिनाथ विधान कर सिंघई रतन चंद्र जैन को अर्पित की विनयांजलि

बड़ागांव धसान.शाबाश इंडिया। नगर सहित पूरे जैन समाज में उस समय शोक की लहर दौड़ गई, जब समाज के प्रतिष्ठित एवं धर्मनिष्ठ व्यक्तित्व सिंघई रतन चंद्र जैन दरगुवां वालों का समाधि मरण समता भाव के साथ संपन्न हो गया। उन्होंने आचार्य विद्यासागर जी महाराज के शिष्य मुनि श्री निर्दोष सागर जी महाराज, मुनि श्री निर्लोभ सागर जी महाराज एवं मुनि श्री निरुपम सागर जी महाराज के सानिध्य में शांतिपूर्वक देह त्याग किया। धार्मिक वातावरण एवं मंत्रोच्चार के बीच संपन्न हुई इस आध्यात्मिक प्रक्रिया के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं समाजजन उपस्थित रहे। जैन धर्म में संलेखना एवं समाधि मरण को अत्यंत पवित्र और आत्मकल्याणकारी माना जाता है। बताया गया कि सिंघई रतन चंद्र जैन लंबे समय से धर्म, समाजसेवा एवं जैन संस्कृति के प्रचार-प्रसार से जुड़े हुए थे। सिंघई रतन चंद्र जैन दरगुवां वालों को समाज एवं नगर का अत्यंत सम्मानित व्यक्तित्व माना जाता था। विशेष रूप से कोटि पहाड़ पर विराजमान बड़े बाबा की प्रतिमा स्थापना में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को समाज आज भी स्मरण करता है। धार्मिक कार्यों में उनकी सक्रिय भागीदारी एवं समाज के प्रति समर्पण ने उन्हें विशिष्ट पहचान दिलाई थी। उनके निधन की सूचना मिलते ही टीकमगढ़, बड़ागांव धसान, दरगुवां, लार सहित आसपास के क्षेत्रों में शोक की लहर फैल गई। समाजजनों ने इसे अपूरणीय क्षति बताया। शोकाकुल परिवार में सिंघई शिखर चंद्र, देवेंद्र कुमार, जिनेंद्र कुमार एवं रमेश कुमार जैन सहित समस्त परिवारजन शामिल हैं। समाज के अनेक गणमान्य नागरिकों, धर्मावलंबियों एवं श्रद्धालुओं ने उनके निधन पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।

अरुणाचल प्रदेश की यात्रा सकुशल सम्पन्न

जयपुर.शाबाश इंडिया। तीर्थंकर ग्रुप एवं महिला जागृति संघ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित अरुणाचल प्रदेश की 8 दिवसीय यात्रा सकुशल सम्पन्न हुई। यात्रा का संचालन महिला जागृति संघ की अध्यक्षा श्रीमती शशि जैन एवं तीर्थंकर ग्रुप के सचिव सुरेश गंगवाल के नेतृत्व में किया गया। यात्रा के दौरान सभी सदस्य फ्लाइट द्वारा गोहाटी पहुंचे, जहां से तेजपुर जाकर महाभैरव मंदिर के दर्शन किए। इसके बाद यात्री तवांग पहुंचे और वहां दलाई लामा की जन्मस्थली एवं प्रसिद्ध बुद्ध मंदिर के दर्शन किए। यात्रा में बूमला दर्रा, भारत-चीन सीमा तथा प्रसिद्ध रांची झील, जिसे माधुरी झील के नाम से भी जाना जाता है, का भ्रमण किया गया। इसके साथ ही तवांग युद्ध स्मारक का भी अवलोकन किया गया। बाद में सभी सदस्य बोमडिला पहुंचे, जहां विभिन्न बुद्ध मठों एवं मंदिरों के दर्शन किए गए। यात्रा के अंतिम चरण में गोहाटी स्थित प्रसिद्ध कामाख्या मंदिर एवं जैन मंदिर के दर्शन कर सभी सदस्य फ्लाइट द्वारा जयपुर लौट आए। इस यात्रा में 40 सदस्यों ने सहभागिता की। प्रमुख रूप से सुरेश गंगवाल, आभा गंगवाल, प्रेमचंद गंगवाल, कान्ता गंगवाल, सुशीला काला, विजयलक्ष्मी 'बेला', कल्पना बैद सहित अन्य सदस्य शामिल रहे। तीर्थंकर ग्रुप के अध्यक्ष डॉ. एम.एल. जैन 'मणि' ने यात्रा की सफलता पर सभी सदस्यों को शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

धार्मिक शिक्षण शिविर के छठे दिन बच्चों में दिखा उत्साह

जयपुर.शाबाश इंडिया। श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर द्वारा आयोजित धार्मिक शिक्षण शिविर के छठवें दिन श्री दिगम्बर जैन मंदिर, हीरा पथ में बच्चों एवं बड़ों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर धर्म लाभ प्राप्त किया। शिविर में बच्चों का उत्साह और धार्मिक गतिविधियों में उनकी सक्रिय भागीदारी आकर्षण का केंद्र रही। शिविर का निरीक्षण करने राजस्थान अंचल अध्यक्षा श्रीमती शालिनी बाकलीवाल, कोषाध्यक्ष श्रीमती विद्युत लुहाड़िया एवं धार्मिक मंत्री श्रीमती विनीता अजमेरा सहित अन्य अतिथिगण उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने बच्चों के उत्साह एवं धर्म के प्रति उनकी रुचि की सराहना की। इस अवसर पर श्रीमती शालिनी बाकलीवाल ने बच्चों से धार्मिक प्रश्न पूछे तथा सही उत्तर देने वाले बच्चों को पुरस्कार प्रदान किए। उन्होंने उपस्थित बड़ों को पाश्चात्य संस्कृति के प्रभावों के बारे में जानकारी देते हुए भारतीय एवं जैन संस्कृति के मूल्यों को अपनाने का संदेश दिया। साथ ही उन्होंने सभी को द्वादश वर्षीय पाठ्यक्रम में भाग लेकर धार्मिक ज्ञान बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। शिविर में धार्मिक वातावरण के बीच बच्चों एवं अभिभावकों ने विभिन्न गतिविधियों का आनंद लिया और धर्म अध्ययन के प्रति अपनी रुचि व्यक्त की।

ट्रांसयमुना कॉलोनी में वर्षायोग 2026 की घोषणाओं से उमड़ा आस्था का सागर

जयकारों के बीच गूंजा गुरुदेव का मंगल संदेश

आगरा.शाबाश इंडिया। ट्रांसयमुना कॉलोनी स्थित श्री चन्द्रप्रभु दिगम्बर जैन मंदिर में विराजमान वैज्ञानिक संत एवं पाठशाला संवर्धक आचार्यश्री निर्भयसागर जी महाराज ससंघ के मंगल सानिध्य में गुरुवार को विशाल धर्मसभा आयोजित की गई। धर्मसभा में वर्षायोग 2026 को लेकर महत्वपूर्ण घोषणाएं की गईं, जिनसे श्रद्धालुओं में उत्साह का वातावरण बन गया। धर्मसभा में फिरोजाबाद, अलीगढ़, टूंडला, बरहन, छीपीटोला, कमलानगर और जयपुर हाउस सहित विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे। विभिन्न नगरों की संस्थाओं ने आचार्यश्री से चातुर्मास हेतु भावपूर्ण निवेदन प्रस्तुत किए, जिस पर गुरुदेव ने सभी समाजों को धर्म प्रभावना एवं आध्यात्मिक उन्नति का मंगल आशीर्वाद प्रदान किया। सभा में घोषणा की गई कि वर्षायोग 2026 का मंगल सौभाग्य फिरोजाबाद जैन समाज को प्राप्त हुआ है। वहीं निर्यापक श्रमण मुनिश्री शिवदत्त सागर जी महाराज ससंघ अलीगढ़ में चातुर्मास करेंगे। इस अवसर पर कमलानगर एवं छीपीटोला जैन समाज ने आचार्यश्री के समक्ष श्रीफल भेंट कर ग्रीष्मकालीन वाचना हेतु निवेदन किया। आचार्यश्री ससंघ ने कमलानगर एवं छीपीटोला में वाचना करने का सौभाग्य प्रदान किया। धर्मसभा में यह भी घोषणा की गई कि पूज्य मुनिश्री शिवदत्त सागर जी महाराज को शीघ्र ही उपाध्याय पद से विभूषित किया जाएगा।

श्री गोवर्धननाथ जी मंदिर में मथुराधीश महोत्सव

कैरी आम की झांकी रही आकर्षण का केंद्र

जयपुर.शाबाश इंडिया। श्री पुष्टिमार्गीय वैष्णव मंडल एवं श्री वल्लभ पुष्टिमार्गीय मंदिर प्रबंध समिति के तत्वावधान में अधिकमास के अवसर पर सूरजपोल स्थित मोहनबाड़ी के श्री गोवर्धननाथ जी मंदिर में आयोजित 11 दिवसीय श्रीमद्भागवत एकादश एवं मूल श्लोक परायण, श्री गोवर्धननाथ एवं मथुराधीश प्रभु दर्शन तथा 56 भोग महोत्सव के अंतर्गत मंदिर प्रांगण में कैरी आम का मनोरथ सजाया गया। यह झांकी श्रद्धालुओं के बीच आकर्षण का केंद्र रही। मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष नारायण दास अग्रवाल, मंत्री सोहनलाल टुकड़ेवाला, संयोजक नटवरलाल मालपानी एवं कोषाध्यक्ष गोरधनदास भगत ने बताया कि झांकी में लगभग ढाई हजार आम यानी करीब 5 क्विंटल आमों का उपयोग किया गया। इसके साथ करीब 25 किलो फूल-पत्तियों से आकर्षक सजावट की गई। 30 कारीगरों ने करीब 12 घंटे की मेहनत से इस भव्य झांकी को तैयार किया। दर्शनार्थियों का जयकारों के बीच लगातार तांता लगा रहा। इससे पूर्व व्यासपीठ से भागवत मर्मज्ञ बड़ौदा निवासी गिरिराज शास्त्री ने प्रजापति दक्ष, सती चरित्र, ध्रुव चरित्र एवं भगवान नृसिंह अवतार सहित विभिन्न प्रसंगों की कथा सुनाई। कथा श्रवण कर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। कथा के प्रारंभ में पीडी बांगड़ एवं एमडी बांगड़ परिवार ने श्रीमद्भागवत जी का पूजन एवं आरती की। कथा वाचन के दौरान गिरिराज शास्त्री ने सती चरित्र के माध्यम से पारिवारिक संस्कारों एवं मर्यादाओं का महत्व बताया। साथ ही ध्रुव चरित्र के माध्यम से भक्ति, समर्पण और दृढ़ संकल्प का संदेश दिया। कथा संयोजक गोविंद मालपानी ने बताया कि रविवार को नंदोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर गोविंद मालपानी, पीडी बांगड़, सोहनलाल अग्रवाल टुकड़ेवाला, लक्ष्मण मलिक, ओमप्रकाश मांधना, सरोज चावला, रामसहाय मांधना, सुनील कपूर, संजय बांगड़, भरत मालपानी, प्रमोद कोटेवाला, गोवर्धन भगत, रेखा भगत सहित अनेक पदाधिकारी एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

13 वर्ष पूर्ण होने के शुभ अवसर पर

शाबाश इंडिया

प्रस्तुत करता है

दैनिक ई-पेपर, साप्ताहिक एवं पाक्षिक समाचार पत्र

Soulful Melodies

Musical Night

श्री संजय रायजादा
अन्तर्राष्ट्रीय गायक
(ए.बी.सी.एल. फेम)

डॉ. गौरव जैन
अन्तर्राष्ट्रीय गायक
(ए.आर. रहमान फेम)

श्री राकेश कुमार
अन्तर्राष्ट्रीय गायक

श्रीमती दीपशिखा जैन
प्रसिद्ध गायिका
(सोनी टीवी गुरुकुल फेम)

श्रीमती नेहा जैन
प्रसिद्ध गायिका

श्रीमती समता गोदिका
प्रसिद्ध गायिका

रविवार, 24 मई 2026
समय : सायं 7:00 बजे से

स्थान : वर्धमान सभागार
श्री महावीर स्कुल, सी-स्कीम, जयपुर

स्थापना दिवस विशेषांक का विमोचन

विमोचनकर्त्ता :
श्रीमान् सुरेन्द्र जी पाण्ड्या
प्रमुख समाज सेवी

यू-ट्यूब चैनल का भव्य शुभारम्भ

उद्घाटनकर्त्ता :
डॉ. पी. सी. जैन
प्रमुख समाज सेवी

प्रतिभा सम्मान
श्रीमान् सौरभ जैन
10 WORLD RECORD HOLDER
(Motivational Speaker)

सम्मानीय अतिथिगण

समारोह गौरव	अध्यक्षता	मुख्य अतिथि	दीप प्रज्जवलनकर्त्ता
श्रीमान् नन्द किशोर जी प्रमोद जी पहाड़िया ए.आर.एल. ग्रुप	श्रीमान् सुधांशु जी कासलीवाल अध्यक्ष-अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी	श्रीमान् उमराव मल जी संघी अध्यक्ष-श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद्	श्रीमान् महेश जी काला अध्यक्ष-वीर सेवक मण्डल

विशिष्ट अतिथि	विशिष्ट अतिथि	विशिष्ट अतिथि	विशिष्ट अतिथि	विशिष्ट अतिथि
श्रीमान् शैलेन्द्र जी गोधा सम्पादक-दैनिक समाचार जगत	श्रीमान् जे.के. जैन (कालाडेरा वाले) अध्यक्ष-नेमीनाथ दिगम्बर जैन समाज समीति	इंजी. डी.एम. जैन रिटा. चीफ इंजीनियर	श्रीमान् पदम जी बीलाला प्रमुख समाजसेवी	श्रीमान् मनीष जी लोंगया प्रमुख समाजसेवी

आप सपरिवार इष्टमित्रों सहित सादर आमन्त्रित हैं।

निवेदक : **राकेश जैन गोदिका** (प्रधान संपादक) – **समता गोदिका**

राजेश - अंजना गोदिका ✲ दिनेश - मीतू गोदिका ✲ राज - एस.के. जैन ✲ सक्षम - आरूषी गोदिका
रचिता - सिद्धार्थ खूटेंटा ✲ अद्धिता, रितिशा खूटेंटा एवं समस्त शाबाश इंडिया परिवार

FORNIGHTLY : RAJHIN/2013/50192 Since : 2013 WEEKLY : RAJHIN/2013/53754

शाबाश इंडिया

दैनिक ई-पेपर, साप्ताहिक एवं पाक्षिक समाचार पत्र

shabaasindia.com YouTube SHABAASH INDIA NEWS rakeshgodika@gmail.com shabaasindia@gmail.com
कार्यालय : प्लॉट नं. 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड़, टोंक रोड़, जयपुर ✲ मो. 9414078380, 9214078380

Printed by : VARDHMAN PRINTERS # 9314263204

छोटी-छोटी राइम्स से बच्चे सीख रहे धार्मिक संस्कार

मंदिरों में आयोजित हुए आध्यात्मिक भजनों के कार्यक्रम

जयपुर.शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर एवं अखिल भारतीय श्रमण संस्कृति महिला महासमिति भारत के तत्वावधान में 17 से 28 मई तक आयोजित ग्रीष्मकालीन संस्कार शिक्षण शिविरों में शुक्रवार को विभिन्न मंदिरों में आध्यात्मिक भजन एवं संस्कारमयी गतिविधियों का आयोजन किया गया। शिविरों के दौरान मंदिरों में ''अरिहंत गाऊँ, सिद्धों को ध्याऊँ'' तथा ''चारों मंगल उत्तम हैं, इनकी शरण में आ जाएं'' जैसे मधुर भजनों की गूंज सुनाई दी। बच्चों ने उत्साहपूर्वक भजन प्रस्तुतियां दीं और धार्मिक गतिविधियों में भाग लिया। प्रचार-प्रसार प्रभारी पदम जैन बिलाला ने बताया कि मीरा मार्ग स्थित शिविर में संस्थान के मानद मंत्री सुरेश कासलीवाल, बालिका छात्रावास की निदेशिका डॉ. वंदना जैन एवं अंचल अध्यक्षा शालिनी

बाकलीवाल की उपस्थिति में शिविर का शुभारंभ हुआ। इस दौरान बच्चे केसरिया ध्वज लेकर पहुंचे तथा पांव धोकर शिविर कक्षाओं में प्रवेश किया। डॉ. वंदना जैन ने बच्चों से संस्कारों से संबंधित प्रश्न पूछे और उनकी जानकारी पर प्रसन्नता व्यक्त की। वहीं सुरेश कासलीवाल ने संस्थान के द्वादश वर्षीय पाठ्यक्रम की जानकारी दी। अधिष्ठात्री शिला जैन ड्योडा एवं संस्थान के पदाधिकारियों ने गायत्री नगर एवं थड़ी मार्केट मंदिरों का भी भ्रमण कर शिविर गतिविधियों की जानकारी ली। अधिष्ठात्री शिला जैन ड्योडा ने बताया कि शिविरों को लेकर बच्चों की बहुत सकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। छोटे बच्चों को राइम्स के माध्यम से जीव दया, दर्शन एवं अभिषेक जैसे धार्मिक संस्कार सिखाए जा रहे हैं। ''चींटी हो या नन्हा पक्षी, सबकी रक्षा करनी अच्छी'' तथा ''अम्मा-अम्मा मुझे कलश दिला दो, अभिषेक करने जाऊंगा'' जैसी रचनाओं के माध्यम से बच्चे सरलता से संस्कार ग्रहण कर रहे हैं। जयपुर शिविर प्रभारी विनीता जैन ने बताया कि राधा विहार एवं तारों की कूट मंदिर में छहढाला के माध्यम से चारों गतियों के दुख समझाए गए। प्रतापनगर सेक्टर-5 में नैतिक शिक्षा पर जोर दिया गया, जबकि चित्रकूट कॉलोनी में भगवान पार्श्वनाथ के उपसर्गों की जानकारी दी गई। विवेक विहार में इष्टोपदेश ग्रंथ तथा दुर्गापुरा में तत्वार्थ सूत्र का अध्ययन कराया गया। इसके अलावा अरिहंत विहार, धाबास, नया बाजार चौमूं, जनकपुरी सहित विभिन्न मंदिरों में विशेष धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

सकल जैन समाज की मौन रैली एवं ज्ञापन कार्यक्रम 25 मई को

इंदौर.शाबाश इंडिया। उदय नगर जैन मंदिर प्रांगण में 20 मई 2026 को आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज से दीक्षित आर्यिका श्री उपशम मति माताजी एवं आर्यिका श्री श्रुत मति माताजी के दुर्घटना में असामयिक समाधि मरण पर विनयांजलि सभा आयोजित की गई। इस दौरान संपूर्ण जैन समाज ने गहरा शोक एवं आक्रोश व्यक्त किया। कार्यक्रम परम पूज्य मुनि श्री विमल सागर जी महाराज एवं मुनि श्री अनंत सागर जी महाराज के पावन सानिध्य में सम्पन्न हुआ। मुनि श्री ने कहा कि साधु-संत समाज एवं राष्ट्र की अमूल्य धरोहर हैं। उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना समाज का प्रथम कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि जैन संत सभी जीवों के कल्याण की भावना रखते हैं और अहिंसा का संदेश देते हैं। ऐसी दुखद घटनाओं को रोकने के लिए समाज को सजग एवं संगठित होना होगा। दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद के प्रचार प्रमुख सतीश जैन ने बताया कि जैन साधु-संतों के साथ हो रही दुखद दुर्घटनाओं के विरोध में देशभर में सोमवार, 25 मई को मौन रैली एवं ज्ञापन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसी क्रम में इंदौर में सकल जैन समाजजन प्रातः 8 बजे राजबाड़ा पर एकत्रित होंगे। उन्होंने बताया कि पुरुष वर्ग सफेद वस्त्रों में एवं महिलाएं केसरिया साड़ी पहनकर हाथों में संदेश लिखी तख्तियां लेकर कलेक्टर कार्यालय तक मौन रैली निकालेंगे तथा कलेक्टर को ज्ञापन सौंपेंगे। विनयांजलि सभा में समाज श्रेष्ठी संतोष जैन, आनंद गोधा, डी.के. जैन, नवीन गोधा, राजीव जैन पार्षद, जेनेश झांझरी, सुदीप जैन एवं सेवानिवृत्त डीएसपी डी.के. जैन सहित अनेक समाजजन उपस्थित रहे। इस अवसर पर श्रीमती अनामिका बाकलीवाल, सारिका जैन, रेखा जैन, अनिल जैन जैनको, आर.के. जैन (एक्स), रितेश पाटनी सहित विभिन्न मंदिरों के अध्यक्ष एवं मंत्रीगण भी उपस्थित रहे।

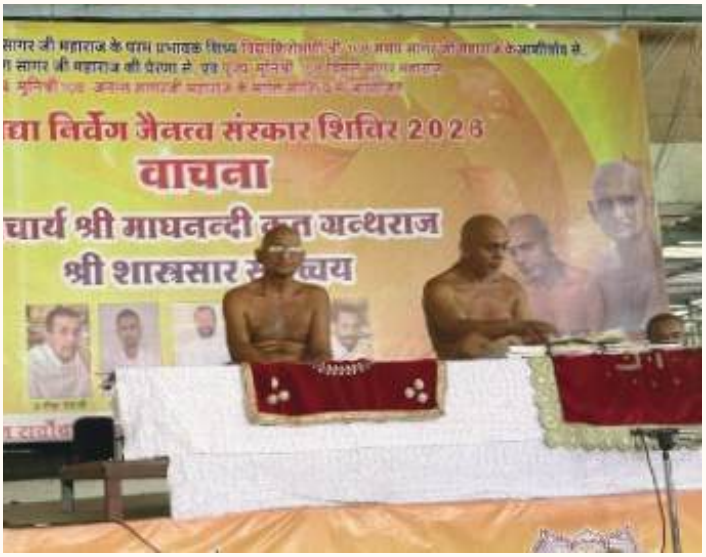

दुगार्पुरा के चन्द्रप्रभु दिगम्बर जैन मंदिर में बह रही धर्म की गंगा

आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज से समाजबंधुओं ने लिया आशीर्वाद

जयपुर.शाबाश इंडिया। तपोभूमि प्रणेता एवं व्याख्यान वाचस्पति आचार्य 108 प्रज्ञा सागर महामुनिराज ससंघ का इन दिनों दुर्गापुरा स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभुजी में मंगल प्रवास चल रहा है। आचार्यश्री ससंघ के सानिध्य में मंदिर परिसर में धर्ममय वातावरण बना हुआ है और श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। प्रतिदिन प्रातःकाल भक्तिभाव के साथ भगवान जिनेन्द्र देव के सामूहिक अभिषेक, शांतिधारा एवं पूजा-अर्चना के आयोजन किए जा रहे हैं। इसके पश्चात आयोजित धर्मसभा में समाज के श्रेष्ठीजनों द्वारा चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्ज्वलन किया जाता है। धर्मसभा में आचार्यश्री के मुखारविंद से प्रवचनों के माध्यम से धर्म प्रभावना की जा रही है। मंदिर समिति अध्यक्ष प्रकाशचंद चांदवाड एवं महामंत्री राजेन्द्र काला ने बताया कि शुक्रवार को भगवान जिनेन्द्र देव का अभिषेक एवं शांतिधारा पूज्य आचार्य संघ के सानिध्य में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर जैन सोशल ग्रुप मेट्रो जयपुर के संस्थापक अध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा एवं संगिनी फोरम जेएसजी मेट्रो की संस्थापक अध्यक्ष दीपिका जैन कोटखावदा सहित अनेक गणमान्य समाजबंधुओं ने श्रीफल भेंट कर आचार्यश्री ससंघ से आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र छोटा गिरनार बापूगांव के अध्यक्ष प्रकाशचंद बाकलीवाल, गुरु आस्था परिवार के अध्यक्ष देवेन्द्र बाकलीवाल, मंदिर प्रबंधकारिणी समिति के उपाध्यक्ष नरेश बाकलीवाल, अमित-पलक जैन निमोड़िया सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं समाज के गणमान्य श्रेष्ठीजनों ने दर्शन लाभ प्राप्त कर धर्मसभा में सहभागिता की।

शिक्षा में रंगमंच की नई पहल

राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय चौमूं में बाल रंगमंच कार्यशाला का शुभारंभ

चौमूं.शाबाश इंडिया। श्री गीतागोपाल नाट्यकला संस्थान, चौमूं (जयपुर) के तत्वावधान में राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, चौमूं में ग्रीष्मकालीन समाज सेवा शिविर के अंतर्गत बाल रंगमंच कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। कार्यशाला का आयोजन संस्थान के अध्यक्ष एवं रंगमंच कलाकार, एम.ए. नाट्यकला गोल्ड मेडलिस्ट सुनील सोगण द्वारा संचालित ''शिक्षा में बाल रंगमंच अभियान'' के 11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में किया जा रहा है। कार्यशाला में विद्यार्थियों को रंगमंच की मूलभूत जानकारी, अभिनय कला, संवाद अदायगी, मंच संचालन, स्वर एवं उच्चारण शुद्धि, बॉडी लैंग्वेज, भावाभिव्यक्ति, आत्मविश्वास विकास तथा व्यक्तित्व विकास का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके साथ ही सार्वजनिक मंच पर बोलने की कला, टीम वर्क, रचनात्मक सोच, एकल एवं समूह अभिनय, नाट्य खेल, माइम एक्ट, कहानी मंचन एवं सांस्कृतिक गतिविधियों की भी जानकारी दी जा रही है। रंगमंच कलाकार सुनील सोगण ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि रंगमंच केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण और आत्मविश्वास बढ़ाने की प्रभावी कला है। उन्होंने कहा कि बाल रंगमंच बच्चों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, संवेदनशीलता और अभिव्यक्ति कौशल विकसित करता है। ग्रीष्मकालीन समाज सेवा शिविर प्रभारी कलावती चतुर्वेदी ने कार्यशाला को विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणादायक बताया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियों से बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है तथा उनमें आत्मविश्वास और सामाजिक समझ विकसित होती है। इस अवसर पर केदारमल कुमावत, सुरेश कुमार सैनी, मनफूली देवी एवं सुमन योगी सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

हरिशेवा उदासीन आश्रम में बह रही धर्म की त्रिवेणी

रामकथा मनुष्यों को संयम, संस्कार और कर्तव्य पालन की प्रेरणा देती है : महामंडलेश्वर स्वामी जगदीश दास

राम-जानकी विवाह प्रसंग पर झूमे श्रद्धालु

भीलवाड़ा.शाबाश इंडिया

सनातन सेवा समिति के तत्वावधान एवं महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम जी उदासीन के सानिध्य में हरिशेवा उदासीन आश्रम सनातन मंदिर में अधिकमास के अवसर पर आयोजित सेवा-सुमिरन प्रकल्प एवं पुरुषोत्तम माह महोत्सव के अंतर्गत चल रही नौ दिवसीय श्रीराम कथा के छठे दिवस श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर हो उठे। हरिद्वार से पधारे महामंडलेश्वर स्वामी जगदीश दास उदासीन ने व्यासपीठ से भगवान श्रीराम एवं माता सीता के दिव्य विवाह प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन किया। कथा के दौरान पूरा वातावरण 'सीताराम' एवं 'जय श्रीराम' के जयघोषों से गूंज उठा। श्रद्धालु राम-जानकी विवाह प्रसंग पर भावविभोर होकर झूम उठे। महामंडलेश्वर स्वामी जगदीश दास ने कहा कि भगवान श्रीराम और माता सीता का विवाह केवल दो व्यक्तियों का मिलन नहीं, बल्कि धर्म, मर्यादा, प्रेम, त्याग और आदर्शों का दिव्य संगम है। उन्होंने कहा कि रामकथा मानव जीवन को संयम, संस्कार और कर्तव्य पालन की प्रेरणा देती है। जहां राम हैं, वहीं धर्म है और जहां धर्म है, वहीं सुख, शांति और सद्भाव का वास होता है। कथा के दौरान उन्होंने महर्षि विश्वामित्र द्वारा श्रीराम और लक्ष्मण को यज्ञ रक्षा हेतु साथ ले जाने, ताड़का वध, मारीच-सुबाहु पर विजय तथा गौतम ऋषि की पत्नी अहिल्या उद्धार प्रसंग का भी विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने कहा कि भगवान का स्वभाव करुणा और कृपा से परिपूर्ण है, जो भी उनके संपर्क में आता है उसका जीवन धन्य हो जाता है। महामंडलेश्वर ने पुष्प वाटिका प्रसंग का वर्णन करते हुए बताया कि जनकपुरी में भगवान श्रीराम और माता सीता ने पहली बार एक-दूसरे के दर्शन किए। स्वयंवर सभा में अनेक राजा-महाराजा भगवान शिव के धनुष को हिला तक नहीं सके, लेकिन गुरु विश्वामित्र की आज्ञा से भगवान श्रीराम ने सहज भाव से धनुष उठाकर प्रत्यंचा चढ़ाई और धनुष भंग हो गया। इसके बाद राजा जनक ने प्रसन्न होकर माता सीता का विवाह भगवान श्रीराम से करने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में परिवारों में संस्कार, आपसी प्रेम और मर्यादा बनाए रखने के लिए रामचरितमानस के आदर्शों को जीवन में अपनाना आवश्यक है। कथा के समापन पर महाआरती हुई तथा श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर महेश मोरियानी एवं उनकी धर्मपत्नी सहित श्रद्धालुओं ने विष्णु यज्ञ में आहुतियां दीं तथा रुद्राभिषेक किया। आश्रम में प्रतिदिन विष्णु यज्ञ, रुद्राभिषेक, संकीर्तन एवं गंगा आरती श्रद्धा और उत्साह के साथ आयोजित किए जा रहे हैं। संत मायाराम एवं संत गोविन्दराम ने श्रद्धालुओं से पुरुषोत्तम मास में आयोजित धर्ममयी गतिविधियों का लाभ लेने का आग्रह किया।

महिला जागृति संघ की अरुणाचल प्रदेश यात्रा सफलतापूर्वक सम्पन्न

जयपुर.शाबाश इंडिया। महिला जागृति संघ द्वारा आयोजित अरुणाचल प्रदेश की 8 दिवसीय यात्रा 40 सदस्यों के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। यात्रा का संचालन रैमीटक्स कम्पनी के मैनेजर ईश्वर दास जी की देखरेख एवं सुव्यवस्थित नियोजन में किया गया। संस्था की अध्यक्ष शशि जैन ने बताया कि यात्रा के दौरान सदस्यों ने अरुणाचल प्रदेश की सुंदर पर्वतमालाओं, ठंडी वादियों, बर्फीले दृश्यों एवं झरनों का भरपूर आनंद लिया। प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर इस यात्रा ने सभी सदस्यों को रोमांचित एवं आनंदित किया। यात्रा के सफल आयोजन में संस्था की मंत्री शारदा सोनी, उपाध्यक्ष साधना काला, सरोज जैन एवं संयुक्त मंत्री रूबी जैन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सभी पदाधिकारियों ने जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए यात्रा को मनोरंजक एवं व्यवस्थित रूप से सम्पन्न कराया। संस्था पदाधिकारियों ने बताया कि ईश्वर दास जी के कुशल प्रबंधन एवं बेहतर आयोजन क्षमता के कारण संस्था अब तक उनके मार्गदर्शन में 13 से 14 विदेश एवं विभिन्न प्रादेशिक यात्राएं सफलतापूर्वक सम्पन्न कर चुकी है। यात्रा के दौरान सदस्यों में उत्साह एवं उल्लास का वातावरण बना रहा तथा सभी ने इस सफल आयोजन के लिए आयोजकों का आभार व्यक्त किया।

विनयांजलि सभा सम्पन्न

25 मई को मौन रैली निकालकर सौंपा जाएगा ज्ञापन

इंदौर.शाबाश इंडिया। परम पूज्य मुनि श्री विमल सागर जी महाराज एवं मुनि श्री अनंत सागर जी महाराज के सानिध्य में उदयनगर जैन मंदिर में वंदनीय आर्यिका श्री श्रुतमति माताजी एवं आर्यिका श्री उपशम मति माताजी के आकस्मिक समाधि मरण पर विनयांजलि सभा आयोजित की गई। सभा का आयोजन दिगम्बर जैन समाज सामाजिक संसद एवं सकल जैन समाज के आह्वान पर किया गया। सभा में बड़ी संख्या में समाजश्रेष्ठी, गुरु भक्त एवं विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित रहे। उपस्थितजनों ने विनयांजलि अर्पित करते हुए घटना के प्रति गहरा दुःख एवं आक्रोश व्यक्त किया तथा दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की। समाज प्रवक्ता राजेश जैन दद्दू ने बताया कि गुणायतन प्रणेता परम पूज्य मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज ने संपूर्ण भारतवर्ष के सकल जैन समाज से अपने-अपने क्षेत्रों में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन कर प्रशासन को ज्ञापन सौंपने का आह्वान किया है। इसी क्रम में इंदौर में दिगम्बर जैन समाज सामाजिक संसद एवं विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के संयुक्त तत्वावधान में 25 मई, सोमवार को प्रातः 8 बजे राजवाड़ा से कलेक्टर कार्यालय तक मौन रैली निकाली जाएगी। मौन रैली के आयोजन के लिए सामाजिक संसद अध्यक्ष आनंद गोधा, हर्ष जैन, अक्षय कासलीवाल, सुशील पांड्या, नवीन गोधा, संजय अहिंसा एवं टीके वेद ने पूज्य मुनिश्री विमल सागर जी महाराज से आशीर्वाद एवं स्वीकृति प्राप्त की। इस अवसर पर आनंद गोधा, नवीन गोधा, हर्ष जैन, राहुल जैन, मनीष नायक, श्रीमती रेखा जैन श्रीफल सहित अनेक समाजबंधु उपस्थित रहे। महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष श्रीमती साधना दगड़े, महिला परिषद संभाग अध्यक्ष श्रीमती मुक्ता जैन एवं फेडरेशन की राष्ट्रीय शिरोमणि संरक्षिका श्रीमती पुष्पा कासलीवाल ने नगर के सभी महिला मंडलों, संगठनों एवं समूहों से मौन रैली में सम्मिलित होने का आह्वान किया। आयोजन सकल जैन समाज के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ।

मुल्तान दिगम्बर जैन मंदिर आदर्श नगर में ग्रीष्मकालीन श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर का शुभारंभ

जयपुर.शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर एवं अखिल भारतीय श्रमण संस्कृति महिला महासमिति के तत्वावधान में मुल्तान दिगम्बर जैन मंदिर, आदर्श नगर में 17 मई से 28 मई तक ग्रीष्मकालीन श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर आयोजित किया जा रहा है। शिविर में समाज के बच्चे, युवक, पुरुष एवं महिलाएं उत्साहपूर्वक भाग लेकर धर्म लाभ प्राप्त कर रहे हैं। शिविर का भव्य शुभारंभ 17 मई को प्रातः 9:30 बजे ढोल-नगाड़ों के साथ मंदिर परिसर में मान स्तंभ की भव्य फेरी निकालकर किया गया। महिला मंडल अध्यक्षा श्रीमती मधु जैन एवं मंत्री नम्रता जैन ने बताया कि संस्थान से पधारी तीन विदुषी दीदियों ने जिनवाणी मां को सिर पर धारण कर शोभायात्रा को विशेष आकर्षण प्रदान किया। समाज अध्यक्ष चंद्रेश जैन एवं मंत्री अनिल जैन ने बताया कि बड़ी संख्या में समाजबंधुओं ने उपस्थित होकर शोभायात्रा की शोभा बढ़ाई। शिविर का उद्घाटन कैलाश जी द्वारा फीता काटकर किया गया। इसके पश्चात सुभाषचंद जी ने चित्र अनावरण किया तथा श्रीमती सुलोचना जी एवं श्रीमती प्रकाश देवी जी ने दीप प्रज्वलित किया। विदुषी दीदियों का स्वागत एवं सम्मान माला एवं दुपट्टा पहनाकर किया गया। शिविर संयोजिका मीनू जी एवं नुपुर जी ने बताया कि बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए उपहार भी वितरित किए गए। कार्यक्रम के बाद महिला मंडल की ओर से सभी उपस्थितजनों के लिए अल्पाहार की व्यवस्था की गई। शिविर के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जा रहा है। 19 मई को आचार्य विद्यासागर जी के हाइकु पर आधारित चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित हुई, जिसमें करीब 25 बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वहीं 22 मई को आध्यात्मिक भजन प्रतियोगिता आयोजित की गई। आगामी दिनों में ''चारों गतियों के दुख'' विषय पर आधारित नाटक एवं हाइकु प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जाएगा। बच्चों के उत्साहवर्धन के लिए प्रतिदिन उपहार वितरित किए जा रहे हैं। शिविर के माध्यम से बच्चों एवं बड़ों में धर्म के प्रति श्रद्धा, संस्कार एवं जागरूकता का वातावरण विकसित हो रहा है।

जवाहरलाल नेहरू आयुर्विज्ञान महाविद्यालय के इंटर्न गर्ल्स हॉस्टल में वाटर कूलर भेंट

रोहित जैन

अजमेर.शाबाश इंडिया। जवाहरलाल नेहरू आयुर्विज्ञान महाविद्यालय, अजमेर के इंटर्न गर्ल्स हॉस्टल में सामाजिक सरोकार एवं सेवा भावना का प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत करते हुए झूलेलाल सिंधी सेंट्रल पंचायत अजमेर, सिंधी युवा संगठन अजमेर तथा सेठ भोजराज गंगवानी द्वारा उनकी धर्मपत्नी स्वर्गीय श्रीमती सुशीला गंगवानी की पुण्य स्मृति में एक वाटर कूलर सप्रेम भेंट किया गया। वाटर कूलर का लोकार्पण विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि समाज एवं संस्थाओं के संयुक्त प्रयासों से विद्यार्थियों एवं आमजन के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना अत्यंत सराहनीय कार्य है। उन्होंने स्वर्गीय श्रीमती सुशीला गंगवानी की स्मृति में किए गए इस योगदान को सेवा एवं मानवता का श्रेष्ठ उदाहरण बताया। महाविद्यालय के प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक डॉ. अनिल सामरिया ने अतिथियों का स्वागत करते हु कहा कि इस प्रकार के सहयोग से छात्राओं को बेहतर मूलभूत सुविधाएं प्राप्त होंगी तथा समाज और चिकित्सा संस्थानों के बीच सकारात्मक समन्वय और मजबूत होगा। कार्यक्रम में डॉ. सुनील कुमार माथुर, अतिरिक्त प्रधानाचार्य डॉ. हमेश्वर, डॉ. अर्चना, डॉ. सुमन कंवर, डॉ. मुनेश मीणा सहित अन्य गणमान्यजन एवं महाविद्यालय स्टाफ उपस्थित रहे। सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुए कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने इस सामाजिक पहल की सराहना की।

रोटरी क्लब कोटा नॉर्थ द्वारा थैलेसीमिया जागरूकता सप्ताह का पोस्टर विमोचन

23 मई से रोटरी क्लब भवन, बसंत विहार में होगा शुभारंभ

✍ आजाद शेरवानी

कोटा.शाबाश इंडिया। थैलेसीमिया केवल एक बीमारी नहीं, बल्कि जागरूकता की कमी से उत्पन्न होने वाली गंभीर सामाजिक चुनौती है। समय पर जांच एवं सही जानकारी के माध्यम से आने वाली पीढ़ियों को इस बीमारी से सुरक्षित रखा जा सकता है। इसी उद्देश्य को लेकर रोटरी क्लब कोटा नॉर्थ द्वारा 23 मई से थैलेसीमिया जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत जागरूकता रैली, जनजागरूकता कार्यक्रम एवं जांच शिविर आयोजित किए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक लोगों को इस बीमारी के प्रति जागरूक किया जा सके। कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन अतिरिक्त औषधि नियंत्रण अधिकारी देवेन्द्र गर्ग एवं चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. जगदीश सोनी द्वारा किया गया। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष रोटेरियन विनय अग्निहोत्री, प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. सीबीएस राजावत एवं क्लब सचिव डॉ. आरबी गुप्ता उपस्थित रहे। क्लब अध्यक्ष रोटेरियन विनय अग्निहोत्री ने बताया कि समाज में थैलेसीमिया के प्रति जागरूकता फैलाना समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि 23 मई को रोटरी क्लब कोटा नॉर्थ भवन, बसंत विहार से अभियान का शुभारंभ किया जाएगा, जहां थैलेसीमिया जांच की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। उन्होंने आमजन से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर इस जागरूकता अभियान को सफल बनाने की अपील की।

मास्टर औनिक जैन ने फहराया भीलवाड़ा का परचम

राष्ट्रीय संगीत प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल

भीलवाड़ा.शाबाश इंडिया

जिटो नॉर्थ दिल्ली चैप्टर द्वारा आयोजित ''आगाज 4.0'' राष्ट्रीय संगीत प्रतियोगिता में भीलवाड़ा के मास्टर औनिक जैन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया है। यह राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता कई चरणों में आयोजित की गई, जिसके अंतर्गत देश के 15 शहरों में कार्यक्रम सम्पन्न हुए। प्रतियोगिता में लगभग 3000 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। मास्टर औनिक जैन ने ऑडिशन राउंड से लेकर फाइनल राउंड तक अपनी मधुर एवं प्रभावशाली गायिकी से निर्णायकों और दर्शकों का दिल जीत लिया। प्रतियोगिता में देश के प्रसिद्ध पार्श्व गायक पद्मश्री कुमार शानू, साधना सरगम, तुलसी कुमार एवं संजय विद्यार्थी निर्णायक मंडल में शामिल रहे। मास्टर औनिक पिछले कई वर्षों से शास्त्रीय संगीत का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। वे वर्तमान में ब्रिट्टी स्कूल, भीलवाड़ा की कक्षा 7वीं के छात्र हैं। इसके साथ ही वे टी-सीरीज अकादमी, नोएडा में भी संगीत शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। औनिक इससे पूर्व भी कई राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय जगत पूज्य गुरुदेव सुधा सागर जी महाराज के आशीर्वाद, अपने संगीत गुरु विद्या शंकर किन्नरिया तथा टी-सीरीज अकादमी के गुरुजनों को दिया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मास्टर औनिक जैन को गोल्डन ट्रॉफी, प्रशस्ति पत्र एवं 1 लाख रुपए की सम्मान राशि प्रदान की गई। मास्टर औनिक की इस उपलब्धि पर भीलवाड़ा में हर्ष का वातावरण है तथा विभिन्न सामाजिक एवं शैक्षणिक संगठनों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज की अगवानी में उमड़ा भक्तों का सैलाब

संत सुधा सागर मार्ग का हुआ लोकार्पण

अशोकनगर.शाबाश इंडिया

पांच माह पूर्व नगर में भव्य चातुर्मास सम्पन्न कराने के बाद राष्ट्रसंत मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ससंघ का पुनः नगर आगमन भक्तों के लिए ऐतिहासिक एवं भावनात्मक क्षण बन गया। अठारह पिच्छिकाओं सहित मुनिश्री के मंगल प्रवेश पर नगर में भक्ति और उत्साह का अद्भुत वातावरण देखने को मिला। नगर के बाहर पूर्व मंत्री राव ब्रजेन्द्र सिंह यादव, पूर्व विधायक जजपाल सिंह जज्जी, नगर पालिका अध्यक्ष नीरज मनोरिया, जैन समाज अध्यक्ष राकेश कांसल, महामंत्री राकेश अमरोद, कोषाध्यक्ष सुनील अखाई, मंत्री शैलेन्द्र एवं विजय धुर्रा सहित अनेक गणमान्यजनों ने श्रीफल भेंट कर मुनिश्री की अगवानी की। भव्य शोभायात्रा में जिला कलेक्टर साकेत मालवीय, जिला पंचायत सीईओ राजेश सी. कुमार, विश्व हिन्दू परिषद के दीपक मिश्रा सहित सर्व समाज के लोग शामिल हुए। श्रद्धालुओं ने अपने-अपने घरों के बाहर मुनिश्री के पाद प्रक्षालन कर आरती उतारी एवं अभिनंदन किया। शोभायात्रा विदिशा रोड, त्रिदेव चौराहा, तारा सदन, एचडीएफसी चौराहा, पुराना बस स्टैंड, गांधी पार्क, भगवान महावीर मार्ग एवं विद्यासागर द्वार होते हुए सुभाषगंज पहुंची, जहां विशाल धर्मसभा आयोजित हुई। इस अवसर पर ''संत सुधा सागर मार्ग'' का लोकार्पण भी किया गया। जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने कहा कि यह दिन नगर के लिए ऐतिहासिक है और इस अगवानी ने इस स्मृति को चिरस्थायी बना दिया है। उन्होंने शासन-प्रशासन एवं समाजजनों का सफल व्यवस्थाओं के लिए आभार व्यक्त किया। धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज ने कहा कि धर्म न आकाश से आता है और न पाताल से, धर्म मनुष्य की आत्मा से प्रकट होता है। उन्होंने कहा कि जैसे हिरण कस्तूरी को बाहर खोजता है जबकि वह उसकी नाभि में ही होती है, वैसे ही मनुष्य भी धर्म को बाहर खोजता है, जबकि धर्म उसके भीतर ही विद्यमान है। मुनिश्री ने कहा कि धर्म से भी बड़ा धर्मात्मा होता है, जिसके भीतर धर्म उमड़ पड़ता है। उन्होंने भक्तों के उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि अगवानी कराई नहीं जाती, वह स्वतः हो जाती है। यह भक्तों की श्रद्धा और उपकार के प्रति समर्पण का भाव है। धर्मसभा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और पूरे नगर में भक्ति, श्रद्धा एवं उत्साह का वातावरण बना रहा।